

[केस स्टडी]

प्र०-

आप एक मध्यमगीमि शहर में डिग्री कॉलेज के उप-प्रधानाचार्य हैं। - - - - -
 - - - - - दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

(4)

- भोग्यता- मेधावी छात्रों के साथ अन्याय।
- पक्षपात की लक्ष्मी
- व्याकृतगृह, संगठनात्मक रहित और पदीय कर्तव्य तीनों, आपस में टकरा रहे हैं।

(*) फायदा + घाटा - दोनों लिखना।

- अंतरात्मा का संकट पैदा होना।

गुण - - भ्रष्टाचार पर नियंत्रण।

- कॉलेज की प्रतिष्ठा और गरिमा बनी रहेगी।

- विरोध प्रदर्शन शांत होगा।

दोष - - तत्कालीन तौर पर काठिन्य।

- प्रोन्नति होने की संभावना कम हो जाएगी।

- बिबेकाधीन भाधिकारों के डुरूपयोग का मुद्दा ।
- शिकायत श्रष्टाचार एजेंसियों से शिकायत करना

